नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के संकाय सदस्यों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता पर इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के प्रभाव का विश्लेषण।

शशिकांत सुभाष पाटिल[1], वैशाली यू.भक्त[2], प्रवीण टी.बोरासे[3],

रिसर्च स्कॉलर[1], गाइड[2], सह-गाइड[3]

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,

श्री जेजेटी विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान, भारत,

अमूर्त:
वर्तमान अध्ययन पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के उपयोग का विश्लेषण करने के लिए किया गया है। स्थिति को विस्तृत करने के लिए पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के साथ एक प्रश्नावली सर्वेक्षण आयोजित किया गया है। पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग का विश्लेषण करने के लिए डेटा की गंभीर जांच की गई है। अध्ययन के नतीजे सूचना एकत्र करने के उद्देश्यों के लिए इन इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग करने की प्रवृत्ति की बेहतर समझ प्रदान करते हैं। पुस्तकालय में उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक संसाधन विशाल हैं और उपयोगकर्ताओं को आवश्यक जानकारी तक पहुँचने में मदद करते हैं। वेबसाइटें, ई-पुस्तकें, ऑडियो और वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं द्वारा आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले संसाधनों के कुछ उदाहरण हैं। इसमें डेटाबेस, ऑनलाइन जर्नल और पत्रिकाएँ भी शामिल हैं। इन संसाधनों का उपयोग अनुसंधान, शैक्षिक और अवकाश उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इसके अलावा, लाइब्रेरी डिजिटल लाइब्रेरी ट्यूटोरियल और ऑनलाइन लाइब्रेरी सेवाओं जैसी विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करती है। डेटा का विश्लेषण उपयोगकर्ताओं द्वारा उपयोग के स्तर को निर्धारित करेगा और उन क्षेत्रों की पहचान करेगा जहां संसाधन पिछड़ रहे हैं या उपयोगकर्ताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। परिणाम पुस्तकालय के लिए संसाधनों और सेवाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने और बदलते और आगे बढ़ते इलेक्ट्रॉनिक युग में पुस्तकालय को बनाए रखने के लिए फायदेमंद होंगे। यह अध्ययन पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को उनकी जरूरतों को समझकर और सही और आवश्यक संसाधनों तक पहुंच बढ़ाकर बेहतर सेवाएं प्रदान करने में भी मदद करेगा।

सूचकांक शर्तें - शैक्षिक नवाचार, प्रदर्शन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, वरिष्ठ हाई स्कूल के छात्र, अध्ययन की आदतें।

I प्रस्तावना

इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों का उपयोग और शिक्षण प्रथाओं और अनुसंधान गतिविधियों में नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने से उच्च शिक्षा में विकास जारी है। सुलभ डिजिटल सामग्री के प्रसार के साथ-साथ प्रमाणीकरण या नेटवर्क के माध्यम से जानकारी तक पहुंचने के तरीकों के विकास ने अनुसंधान में सुविधा और जानकारी तक पहुंच की अनुमति दी है। वेब-आधारित इलेक्ट्रॉनिक संसाधन अनुसंधान में शिक्षाविदों के पसंदीदा उपकरण बन गए हैं। पुस्तकालयों और सूचना केंद्रों के भीतर प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ई-संसाधनों के रूप में इलेक्ट्रॉनिक जानकारी के अधिग्रहण, भंडारण, प्रतिनिधित्व, प्रसारण और उपयोग को सक्षम बनाता है।

ई-संसाधनों में ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, लेख, समाचार पत्र, थीसिस, शोध प्रबंध, डेटाबेस और सीडी-रोम शामिल हैं, जिन्हें ज्ञान खोज के लिए ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। पुस्तकालयों में डिजिटल सामग्री तक पहुंच इसके उपयोगकर्ताओं के लिए जानकारी की आसान पुनर्प्राप्ति की सुविधा प्रदान करती है। इसलिए, इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के तेजी से विकास और सफल अपनाने के लिए उपयोगकर्ताओं के बीच ई-संसाधनों के बारे में जागरूकता पैदा करना सर्वोपरि है। यह नंदुरबार जिले के कला, विज्ञान और वाणिज्य के पुस्तकालयों में विशेष रूप से सच है, क्योंकि संकाय सदस्य इन संसाधनों का उपयोग शिक्षण और अनुसंधान के लिए करते हैं।

II.शैक्षणिक पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग:

आईटी टूल का उपयोग जानकारी साझा करने, पुनः प्राप्त करने, संचारित करने और व्यवस्थित करने के लिए किया जा सकता है। पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग पुस्तकालय के काम को अधिक कुशल बनाता है, सांसारिक कार्यों को समाप्त करता है, सेवाओं की गुणवत्ता और सीमा को बढ़ाता है, सभी प्रकार के सूचना संसाधनों तक आसान और व्यापक पहुंच प्रदान करता है, संचार को गति देता है, स्टाफ सदस्यों के मनोबल और प्रेरणा में सुधार करता है, सहयोग की सुविधा प्रदान करता है। और संसाधन साझाकरण, समय, स्थान और संसाधनों की बचत करता है, उत्पादकता बढ़ाता है और पुस्तकालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। वेंकटरमन और चन्द्रशेखर राव (1998) ने इन्हीं लाभों का सुझाव दिया है। शैक्षणिक पुस्तकालय क्षेत्र में, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग कार्यालय संचालन, अधिग्रहण, कैटलॉगिंग, परिसंचरण, क्रमिक नियंत्रण, सूचना भंडारण और पुनर्प्राप्ति, सूचना सेवाओं, संसाधन साझाकरण, पुस्तकालय सांख्यिकी और फीडबैक की सुविधा के लिए किया जा सकता है।

III. शैक्षणिक पुस्तकालयों में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग की खोज

प्रौद्योगिकी ने सूचना के भंडारण, प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति और प्रसार के क्षेत्र में प्रगति को तेज कर दिया है। इसने शैक्षणिक पुस्तकालयों को अधिग्रहण प्रक्रियाओं में दोहराव को कम करने और त्वरित खोज और पुनर्प्राप्ति के लिए कम्प्यूटरीकृत कैटलॉग को लागू करने में सक्षम बनाया है। कंप्यूटर, स्मार्ट कार्ड और बारकोड रीडर जैसे तकनीकी उपकरणों के उपयोग ने सर्कुलेशन संचालन को आसान और तेज बना दिया है। प्रौद्योगिकी की मदद से, पुस्तकालय बड़ी संख्या में सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हुए हैं, जैसे इन-हाउस डेटाबेस, ओपीएसी, सीडी रॉम सेवाएँ, इंटरनेट सेवाएँ, सीएएस और एसडीआई सेवाएँ, आदि। इसने पुस्तकालयों को नेटवर्क बनाने में भी सक्षम बनाया है और संसाधनों और सेवाओं को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से साझा करना। बढ़ती संसाधन लागत और सीमित पुस्तकालय बजट के युग में, पुस्तकालय प्रबंधन पर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रभाव क्रांतिकारी रहा है। इसने पुस्तकालय प्रबंधकों को ढेर सारे नए विकल्प और अवसर प्रदान किए हैं, साथ ही चुनौतियाँ भी लाई हैं।

IV.समस्या का विधान

नंदुरबार जिले के कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय सदस्यों द्वारा शिक्षण और अनुसंधान के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों का उपयोग

V.उद्देश्य

1.नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के संकाय सदस्यों के बीच शिक्षण और अनुसंधान के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के उपयोग की जांच करना।
2.संकाय सदस्यों के बीच इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के बारे में जागरूकता का आकलन करना।

VI.क्रियाविधि

वर्णनात्मक अनुसंधान, सामाजिक अनुसंधान में सबसे व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विधियों में से एक है, जिसे अध्ययन का विश्लेषण करने के लिए नियोजित किया गया है। मौजूदा स्थितियों, कर्मचारियों की राय, प्रक्रियाओं और प्रभावों, सबूतों और उभरते रुझानों के संदर्भ में शैक्षणिक घटना से संबंधित जानकारी इकट्ठा करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई थी। अध्ययन के उद्देश्य से प्राथमिक डेटा एकत्र करने के लिए सर्वेक्षण पद्धति का उपयोग किया गया था।

VII. डेटा का विश्लेषण

प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र किए गए डेटा को कोडित और सारणीबद्ध किया गया था। निष्कर्षों का विश्लेषण Microsoft Excel संस्करण 6 का उपयोग करके किया गया और जांच के उद्देश्यों के विरुद्ध परीक्षण किया गया। फिर निष्कर्षों का उपयोग कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के उपयोग की वर्तमान स्थिति को निर्धारित करने के लिए किया गया।

शाखा	ई बुक्स	ई-पत्रिकाओं	CD/DVD's
आर्ट्स	25000	45	150
विज्ञान	29000	20	200
व्यापार	15000	10	140

तालिका संख्या 1 ई-पुस्तकों/ई-जर्नल्स/सीडी, डीवीडी का संग्रह

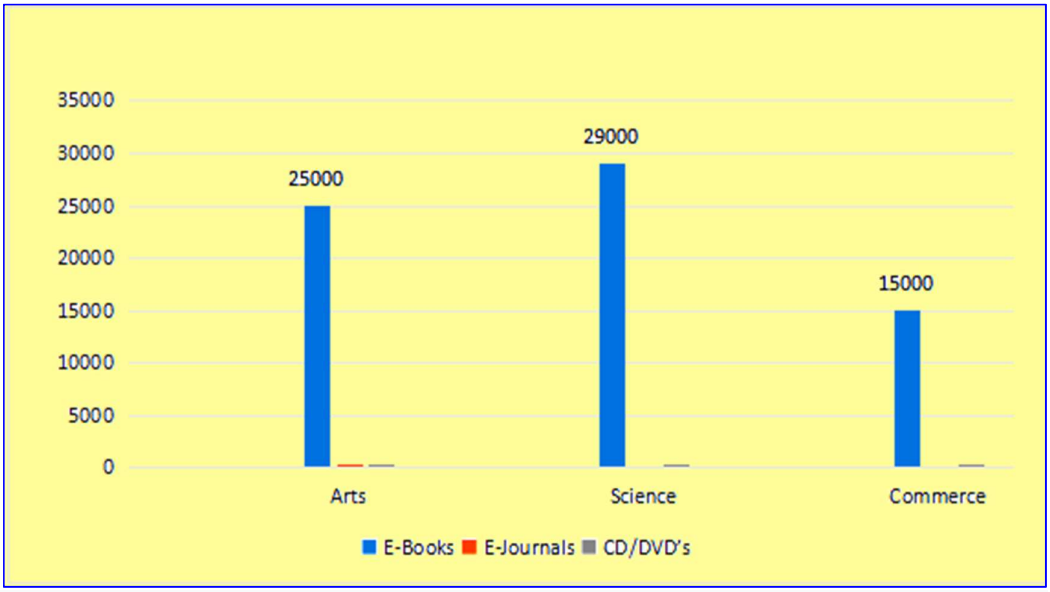

तालिका संख्या 1.1 पुस्तकालय का संग्रह

1.यह देखा गया कि लाइब्रेरी में सीडी/डीवीडी की संख्या आर्ट्स कॉलेज में 150, साइंस कॉलेज में 200 और कॉमर्स कॉलेज में 140 थी।
2. लाइब्रेरी में ई-जर्नल्स की संख्या आर्ट्स कॉलेज में 45, साइंस कॉलेज में 20 और कॉमर्स कॉलेज में 10 थी।
3. लाइब्रेरी में आर्ट्स कॉलेज में 25000, साइंस कॉलेज में 29000 और कॉमर्स कॉलेज में 15000 ई-बुक्स थीं।

कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के बीच इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के संबंध में जागरूकता के स्तर का आकलन करना।

CD/DVD's	OPAC (Online Public Access Catalogue)	CD/DVD-ROM	Online databases
Very Good	20%	10%	20%
Good	50%	40%	50%
Poor	20%	30%	20%
Very Poor	10%	20%	10%

तालिका संख्या 2. ओपीएसी/सीडी/ऑनलाइन डेटाबेस का संग्रह

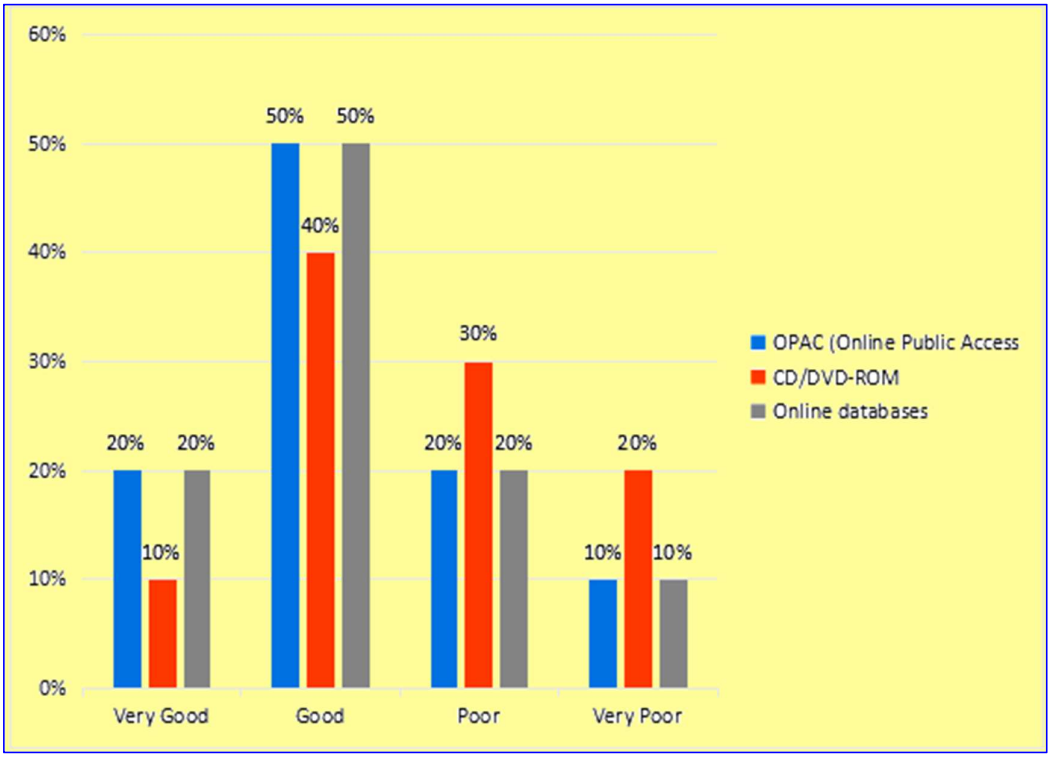

1. कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के बीच ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) संसाधनों के बारे में जागरूकता 20% बहुत अच्छी, 50% अच्छी, 20% खराब और 10% बहुत खराब के साथ तालिका में प्रस्तुत की गई है।
2. कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के बीच सीडी/डीवीडी-रोम संसाधनों के बारे में जागरूकता तालिका में प्रस्तुत की गई है, जिसमें 10% बहुत अच्छा, 40% अच्छा, 30% खराब और 20% बहुत खराब है।
3. कला, विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के बीच ऑनलाइन डेटाबेस संसाधनों के बारे में जागरूकता तालिका में प्रस्तुत की गई है, जिसमें 20% बहुत अच्छा, 50% अच्छा, 20% खराब और 10% बहुत खराब है।

Conclusion

नंदुरबार जिले के पुस्तकालयों में इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों के विश्लेषण से संकाय सदस्यों की शिक्षा की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव का पता चला है। ई-संसाधनों के उपयोग से संकाय सदस्यों को अपनी शिक्षण विधियों और सामग्री वितरण की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिली। संसाधनों ने शैक्षिक प्रक्रिया को संकाय सदस्यों के लिए अधिक लागत प्रभावी और व्यवस्थित बना दिया। यह देखा गया है कि ई-संसाधनों ने संकाय सदस्यों को समय बचाने और अनुसंधान में उत्पादकता बढ़ाने में मदद की है। परिणाम अत्यधिक सकारात्मक हैं और सुझाव देते हैं कि ई-संसाधनों का शिक्षा की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। यह अनुशंसा की जाती है कि पुस्तकालयों को इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों में निवेश करना चाहिए और उन्हें संकाय सदस्यों के लिए अधिक उपलब्ध कराना चाहिए।

संदर्भ

1. जरीवाला, एस., पंड्या, पी. और पटेल, वी. (2020)। शिक्षा की गुणवत्ता पर इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों का प्रभाव: नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के संकाय सदस्यों का एक अध्ययन। विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, 27(1), पृ.46-63. आईएसएसएन 1546-2234.
2. बिरूर, जी., कोशिमकर, ए. और कटारिया, जे. (2019)। शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की भूमिका - नंदुरबार जिले के कला, वाणिज्य और विज्ञान पुस्तकालयों में संकाय सदस्यों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड इनोवेशन इन सोशल साइंस, 3(7), पीपी.97-111। आईएसएसएन 2454-6186
3. 3पटेल, ए. और जैन ए. (2018)। सूचना प्रौद्योगिकी और शिक्षा की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव: नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों का केस अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 11(2), पीपी.37-54। आईएसएसएन 2288-1364.
4. गोयल, पी., नोमुला, आर. और दत्ता, ए. (2015)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग और इसकी भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 9(2), पीपी.34-59। आईएसएसएन 2288-1364.
5. लांबा, एस., व्यास, ए. और चक्रवर्ती, एस. (2013)। ई-संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा: नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों का एक अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 8(3), पीपी.167-185। आईएसएसएन 2231-8233
6. सोनी, एम., पांडे, पी. और तिवारी, बी. (2012)। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में इसकी भूमिका: नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च, 3(1), पीपी.59-64। आईएसएसएन 2319-7064.
7. जैन, एम. और अग्रवाल, पी. (2011)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के संकाय सदस्यों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता पर इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का प्रभाव। पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी, 26(4), पृ.179-194। आईएसएसएन 0974-980एक्स.
8. निर्मल, एस., वानखड़े, जी. और दीक्षित, आर. (2010)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ई-संसाधन और उनका उपयोग। पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी, 24(3), पृ.91-102। आईएसएसएन 0974-980एक्स.
9. जोशी, ए. और अग्रवाल, एस. (2009)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की भूमिका। इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 3(3-4), पीपी.96-114। आईएसएसएन 0975-4668.
10. 4सिंह, आर., घोष, डी. और शर्मा, ए. (2008)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय सदस्यों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में इलेक्ट्रॉनिक सूचना संसाधनों को अपनाना। पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी, 19(3), पृ.213-224। आईएसएसएन 0974-980एक्स.
11. कुमार, ए. और सामंतराय, के. (2007)। नंदुरबार जिले में कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों के संकाय सदस्यों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बढ़ाने में ई-संसाधनों का एकीकरण। सूचना विज्ञान और सुरक्षा, 6(2), पृ.159-168. आईएसएसएन 0252-4425.

12. डेलवालिया, पी. और बसु, एस. (2006)। इलेक्ट्रॉनिक संसाधन और शिक्षा की गुणवत्ता - नंदुरबार जिले के कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय सदस्यों का एक अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 2(4), पीपी.205-214। आईएसएसएन 0975-9021.
13. शर्मा, जेड. और चक्रवर्ती, बी. (2004)। नंदुरबार जिले में संकाय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ई-संसाधनों का प्रभाव। सूचना और पुस्तकालय विज्ञान जर्नल, 4(2), पीपी.127-146। आईएसएसएन 0976-2780.
14. पद्मा, जे. और चटर्जी, पी. (2003)। शिक्षा की गुणवत्ता - नंदुरबार जिले के कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों में संकाय सदस्यों के बीच इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के प्रभाव का एक अध्ययन। साउथ एशियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस, 8(1), पीपी.1-12। ISSN0973-7778.
15. शर्मा, आर. और शर्मा, एम. (2002)। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग: नंदुरबार जिले के कला विज्ञान और वाणिज्य पुस्तकालयों का एक अध्ययन। सूचना विज्ञान और पुस्तकालय विज्ञान जर्नल, 1(2), पीपी.107-117। आईएसएसएन 0974-9350